सांध्य दैनिक **4PM**

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 71 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 15 अप्रैल, 2024

मूल्य ₹ 3/-

जीवन में सफलता पाने के नियम: खुद पर भरोसा करो, कुछ नियम तोड़ो, नाकामयाब होने से डरो मत, नकारात्मक लोगों को नजर अंदाज करो, कड़ी मेहनत करो और कुछ वापस दो।

–अर्नाल्ड श्वाजनेगर

जिद...सच की

पथिराना के कहर से इंडियंस... 7 | तेजस्वी के वायरल वीडियो पर... 3 | वादे अधूरे, भविष्य की गारंटी सिर्फ... 2

4PM ने फिर छुआ एक और आसमान

40 लाख सब्सक्राइबर के साथ नई ऊंचाई पर पहुंचा

संपादक संजय शर्मा ने इस उपलब्धि पर पहुंचाने के लिए जनता को दिया धन्यवाद

- » चैनल ने देश के लोगों को कहा शुक्रिया
- » इस महीने में आ चुके हैं 30 करोड़ व्यूज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। जन-जन में लोकप्रिय और जनहित के मुद्दों पर हमेशा मुखर रहने वाले यूट्यब चैनल 4PM ने एक और आकाश को छू लिया है। सत्ता पर अपने तीखे सवालों से नकेल कसने वाले चैनल 4PM के 40 लाख सब्सक्राइबर हो गए हैं।

चैनल के संपादक संजय शर्मा ने इस उपलब्धि पर पहुंचाने के लिए जनता को धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा जनता के अपार समर्थन की वजह ही 4PM यूट्यूब चैनल आज नई-नई ऊंचाई छूता जा रहा है। श्री शर्मा ने कहा जनता के प्रति जवाबदेही को पूरी जिम्मेदारी से चैनल उठा रहा है, इसलिए चैनल हमेशा सता से सवाल पूछता रहता है। इसके लिए उसे सत्ता का दबाव भी सहना पड़ता है पर चैनल अपने कदम कभी पीछे नहीं हटाता है।

जनहित के लिए सत्ता पर जारी है प्रहार

सत्ताधीशों को सवालों से घुटने टेकने पर किया मजबूर

मनमानी कर रही सत्ता को खबरों की सच्चाई से अंकुश लगाने की कोशिश में जुटे जन-जन के पसंदीदा यूट्यब चैनल 4PM लगातार सबको पीछे धकेलते हुए अपनी धाक जमाने में जुटी है। सच को आम जनतक पहुंचाने की मुहिम में जुटे 4PM ने हमेशा सत्ताधीशों को अपने रिपोर्टों से घुटने टेकने को मजबूर कर दिया।

देश के हर राज्य में पहुंच रहा चैनल

4PM धीरे-धीरे लोकप्रिय होता चला जा रहा है। पहले जहां एक चैनल सिर्फ यूपी में था अब उसकी कई शाखाएं अन्य राज्यों में फैल रही हैं। यहीं नहीं जिन राज्यों में यह चैनल नहीं है वहा भी इसकी मांग बढ़ रही है। यूट्यूब चैनल की पूरी टीम की मेहनत से 4PM एक वटवृक्ष बनने की ओर अग्रसर है। आज 4पीएम नेशनल के अलावा 9 राज्यों के क्षेत्रीय चैनल भी हैं। जिनमें 4PM यूपी, बिहार, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब, कर्नाटक, राजस्थान, मध्य प्रदेश, 4PM गुजरात और इसके अलावा 4पीएम बॉलीवुड का भी चैनल शामिल है।

लोकप्रियता में भी नए आयाम गढ़े

लगातार हर रोज नए आयाम जोड़ने के क्रम में जन-जन के प्रिय यूट्यूब चैनल 4PM ने फरवरी के महीने में लगभग 15 करोड़ (149.9 मिलियन) व्यूज व 11 प्रतिशत भागीदारी के साथ सभी दिग्गजों को पछाड़ दिया था। इसी के साथ चैनल के सब्सक्राइबरों की संख्या में भी जबर्दस्त उछाल आया था तब उनकी संख्या 36 लाख से ज्यादा पहुंच गयी थी। लोगों के प्यार और सत्ता से सवाल करने की ताकत का ही नतीजा है कि 4पीएम देशभर में नंबर वन यूट्यूब चैनल बना हुआ है। इन सब उपलब्धियों के पीछे चैनल के प्रमुख व संपादक संजय शर्मा का दूरदर्शी सोच है। अपने बेबाक व विजनरी विचारों के माध्यम से अपनी पूरी टीम को उत्साह से भरकर वह इस चैनल को एक सही दिशा दे रहे हैं। तभी तो अब देश के लीडिंग टीवी न्यूज चैनल भी 4PM और उसके संपादक संजय शर्मा का लोहा मान रहे हैं।

बड़े-बड़े यूट्यूब स्टारों को पीछे छोड़ा

यहीं नहीं 4PM ने बडे-बड़े यूट्यूब स्टारों को भी पीछे करके अपनी लोकप्रियता में चार चांद लगा लिए । यहीं नहीं अपने बेबाक रिर्पोटिंग की वजह से चैनल के व्यूज में भी उत्तरोत्तर जबरदस्त उछाल देखने को मिल रहा है। पिछले कई महीनों के भीतर इसकी संख्या में लागातार बढ़ोत्तरी हो रही है। गौरतलब हों सत्ता से सवाल करने की आदत और सच को दिखाने की जिद का ही नतीजा है कि 4पीएम दिनो-दिन आगे बढ़ता जा रहा है। इससे पहले भी 4PM यूट्यूब चैनल देश का नंबर वन चैनल बना था। सच दिखाने की बदौलत ही 4पीएम को लगातार दर्शकों का प्यार मिल रहा है और 4PM आए दिन नई-नई बुलंदियों को छू रहा है। अभी हाल में डाटा बिंग्स के ताजा आंकड़ों में चैनल व्यूज के मामले में टॉप पॉलिटिकल कमेंटेटर्स की श्रेणी में देश का सबसे ज्यादा देखे जाने वाले यूट्यूब चैनल बना हुआ था। चैनल की लोकप्रियता का ही असर है कि इसकी मांग अन्य कई राज्यों में होने लगी है। लोगों को चैनल के हर कंटेंट पंसद आ रहा है, और लोग ज्यादा से ज्यादा इससे जुड़ रहे हैं।

सच दिखाने की जिद ने बनाया जनता का चहेता

लोगों के प्यार और अपने सच दिखाने की जिद की बदौलत 4पीएम लगातार सफलता की सीढ़ियों को चढ़ रहा है और देश में आए दिन अपना परचम फहरा रहा है। जिस समय देश की कथित मेन स्ट्रीम मीडिया सिर्फ सत्ता वंदन में लगी हुई है, ऐसे में 4PM और उसके संपादक संजय शर्मा ने अपने यूट्यूब चैनल के जरिए सत्ता से तीखे सवाल करना जारी रखा और जनता के सामने लगातार सच को दिखाते रहे हैं। आज उसी सच और सत्ता से सवाल करने के हौसले का ही नतीजा है कि 4PM देश भर में अपनी अलग पहचान बना रहा है और बन गया जनता का चहेता। निरंतर अपनी लोकप्रियता में दिन दोगुनी रात चौगुनी बढ़ोत्तरी कर रहा है।

वादे अधूरे, भविष्य की गारंटी सिर्फ जुमला : अखिलेश

भाजपा के संकल्प पत्र पर बोले- पिछले घोषणापत्रों का भी हिसाब दें

» बदायूं से शिवपाल के बेटे और सुल्तानपुर से राम भुआल निषाद को टिकट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव व कांग्रेस ने बीजेपी के घोषणा पत्र पर करारा तंज कसा है। उन्होंने कहा कि जिन्होंने अपने वादे पिछले दस वर्षों के राज में पूरे नहीं किए, वो भला भविष्य की गारंटी देने की बात कैसे कह सकते हैं। भाजपा 2014 और 2019 का अपना घोषणापत्र निकालकर हिसाब दे कि उन्होंने अपना कौन सा वादा पूरा किया। उधरप्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए प्रवक्ता डॉ सीपी राय, मनीष श्रीवास्तव व प्रियंका गुप्ता ने संयुक्त रूप से कहा कि भाजपा के घोषणा पत्र में जनहित के लिए कुछ भी नहीं है।

जो सरकार पिछले 10 सालों से सत्ता में है, उसे घोषणा पत्र जारी करने के पहले अपने द्वारा किए गए कार्यों का एक श्वेत पत्र जारी करना चाहिए। सपा ने बदायूं और सुल्तानपुर में अपने प्रत्याशी बदल दिए हैं। बदायूं में तीसरी बार टिकट बदलते हुए पूर्व कैबिनेट मंत्री शिवपाल सिंह यादव के बेटे आदित्य यादव को मैदान में उतारा है। वहीं, सुल्तानपुर से भीम निषाद का पत्ता काटकर वहां रामभुआल निषाद को प्रत्याशी बनाया है।सपा ने पहले बदायूं से पूर्व सांसद धर्मेंद्र यादव को उतारा था। इसके बाद शिवपाल यादव को टिकट दिया। शिवपाल यादव शुरू से ही वहां से लोकसभा चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं थे, इसलिए अब उनके बेटे आदित्य यादव के नाम की घोषणा आधिकारिक तौर पर कर दी गई है। रामभुआल निषाद ने वर्ष 2022 का विधानसभा चुनाव रुद्रपुर विधानसभा सीट से लड़ा था, लेकिन हार गए थे। अब उन्हें सुल्तानपुर में भाजपा सांसद मेनका गांधी के खिलाफ उतारा गया है।

बाबू सिंह कुशवाहा सपा से जौनपुर के प्रत्याशी

सपा ने बाबू सिंह कुशवाहा को टिकट देकर जहां जौनपुर में मजबूत दांव चला है, वहीं उन्हें पार्टी में लाकर स्वामी प्रसाद मौर्य की कमी को पूरा करने का प्रयास भी किया है। इसी रणनीति का नतीजा है कि इंडिया गठबंधन में प्रारंभिक सहमति बनने के बावजूद स्वामी प्रसाद मौर्य को कुशीनगर से टिकट नहीं दिया गया। बाबू सिंह कुशवाहा पर भ्रष्टाचार के आरोपों को दरकिनार करते हुए अब सपा ने उन्हें गले लगा लिया है। इसकी वजह कुशवाहा, शाक्य और मौर्य वोटों पर नजर है, जो ओबीसी की कुल आबादी के करीब पांच फीसदी हैं।

भाजपा ने 10 फीसदी भी वादे पूरे नहीं किए : प्रमोद

भाजपा के घोषणा पत्र पर राज्यसभा मे उपनेता प्रमोद तिवारी ने तल्ख टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पिछले चुनाव में किए गए 10 फीसदी वादे भी पूरे नहीं किए हैं। हर परिवार को 15 लाख रुपये, प्रति वर्ष दो करोड़ नौजवानों को रोजगार के हिसाब से 10 साल में 20 करोड़ नौजवानों को रोजगार देने, किसानों की आय दोगुनी करने आदि का वायदा पूरा तो नहीं हुआ बल्कि किसानों पर कर्ज जरूर बढ़ गया है। तिवारी ने कहा कि चार जून के पहले ही भाजपा ने अपनी पराजय स्वीकार कर ली है। संकल्प पत्र की गारंटी में किसान, नौजवान, शिक्षा, चिकित्सा और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मामलों पर खामोशी है।

भाजपा को सत्ता से बाहर करने के लिए लोग तैयार : हुड्डा

» बोले- मुख्यमंत्री बदलने से कुछ नहीं होगा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने पिछले महीने हरियाणा के मुख्यमंत्री को बदलने के लिए भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि चेहरे बदलने से सत्तारूढ़ दल को मदद नहीं मिलेगी क्योंकि लोगों ने विधानसभा चुनाव में उसे सत्ता से बाहर करने का मन बना लिया है। झज्जर में संविधान बचाओ जन आक्रोश रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 वर्षों में राज्य विकास की पटरी से उतर गया है। कांग्रेस नेता ने कहा, अब, जनता के गुस्से को भांपते हुए, भारतीय जनता पार्टी ने मुख्यमंत्री चेहरा बदल दिया है। हुड्डा ने कहा, उन्होंने अपना मुख्यमंत्री बदल दिया, जजपा के साथ उनका गठबंधन टूट गया और अब ऐसी चर्चाएं हैं कि भाजपा राज्य में तीन से चार लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार बदलने जा रही है।

उन्होंने कहा कि बेरोजगारी, महंगाई और आपराधिक गतिविधियां बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा, वे मुख्यमंत्री का चेहरा बदल सकते हैं, लेकिन लोगों ने इस सरकार को बदलने, उन्हें सत्ता से बाहर करने और कांग्रेस को सत्ता में वापस लाने का मन बना लिया है। दीपेंद्र हुड्डा को कांग्रेस द्वारा रोहतक संसदीय सीट से मैदान में उतारे जाने की संभावना है, जहां से वह पहले भी सांसद रह चुके हैं। भाजपा ने इस सीट से अपने मौजूदा सांसद अरविंद शर्मा को फिर से मैदान में उतारा है, जिन्होंने 2019 के आम चुनाव में दीपेंद्र हुड्डा को हराया था।भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए हुड्डा ने कहा, उनके पास न तो दिखाने के लिए कोई काम है और न ही बात करने के लिए कोई उपलब्धि है। हालांकि, कांग्रेस लोगों के बीच जा रही है और अपने विकास कार्यों के बारे में बात कर रही है। कांग्रेस नेता जयवीर बाल्मीकि ने दावा किया कि शर्मा को पिछले पांच वर्षों में निर्वाचन क्षेत्र में नहीं देखा गया था।

कंगना प्रदेश भाजपा नेतृत्व के लिए खतरा: विक्रमादित्य सिंह

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

शिमला। हिमाचल प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री और मंडी लोकसभा सीट से कांग्रेस उम्मीदवार विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि अभिनेत्री कंगना रनौत के राज्य की राजनीति में प्रवेश ने प्रदेश के भाजपा नेताओं की भविष्य की संभावनाओं को खतरे में डाल दिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कंगना को मंडी संसदीय सीट से अपना उम्मीदवार बनाया है। यह पहली बार है कि कोई चर्चित चेहरा हिमाचल प्रदेश से चुनाव लड़ रहा है। बुशहर की पूर्ववर्ती रियासत के राजा विक्रमादित्य सिंह, छह बार के मुख्यमंत्री वीरभद्र सिंह के पुत्र हैं। विक्रमादित्य की मां प्रतिभा सिंह मंडी से मौजूदा सांसद और कांग्रेस की प्रदेश इकाई की अध्यक्ष हैं। विक्रमादित्य शिमला (ग्रामीण) विधानसभा क्षेत्र से दो बार के विधायक हैं। विक्रमादित्य ने कहा कि कंगना का बृहस्पतिवार को मनाली में दिया गया भाषण भाजपा प्रदेश नेतृत्व की हमीरपुर रैली पर भारी पड़ गया, जहां से पार्टी ने अपना चुनाव अभियान शुरू किया।

उन्होंने कहा, राज्य के भाजपा नेताओं को कंगना से खतरा महसूस हो रहा है, जिन्होंने अपने विवादास्पद बयान से भाजपा नेताओं को पीछे छोड़ना शुरू कर दिया है। विक्रमादित्य सिंह ने कहा कि अभिनेत्री अपनी विवादास्पद टिप्पणियों से पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से ध्यान हटाकर सुर्खियां बटोर सकती हैं, लेकिन अंतत: आपको काम और लोगों की सेवा से ही समर्थन मिलता है ना कि चर्चित हस्ती के टैग से।

पार्टियों के छलावे से दूर रहें बसपाई : मायावती

» बोलीं- भाजपा सरकार में बहुजनों का बुरा हाल

» बसपा सुप्रीमो ने बाबा साहेब को किया याद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने कहा कि कांग्रेस का गरीबी हटाओ का नारा सही नीयत व नीति के अभाव में केवल चुनावी स्लोगन बनकर रह गया। इसी तरह अब वर्तमान भाजपा सरकार में बहुजनों का बुरा हाल हो रहा है। सरकार की गलत नीतियों व कार्यक्रमों से केवल कुछ मुट्ठी भर अमीरों की अमीरी बढ़ रही है।

बसपा सुप्रीमो ने आंबेडकर जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद कार्यकर्ताओं को दिए संदेश में कहा कि संकीर्ण चुनावी स्वार्थ के लिए जातिवादी पार्टियां डॉ. आंबेडकर का दिखावटी सम्मान करती हैं। ऐसी पार्टियों के छलावे से दूर रहना है। उन्होंने आपसी एकजुटता व राजनीतिक शक्ति के बल पर सत्ता की मास्टर चाबी प्राप्त करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इससे ही तरक्की के बंद दरवाजे खुल सकते हैं। उन्होंने कहा कि यूपी में बसपा सरकार के दौरान सामान्य वर्ग की सरकारी नौकरी पर लगी पाबंदी को हटाकर सर्वसमाज को रोजगार के अवसर दिए गए। आरक्षण के बैकलॉग पदों को विशेष अभियान चलाकर भरा गया, जिससे लाखों परिवारों को लाभ मिला। उन्होंने बसपा सरकार में डॉ. आंबेडकर के नाम से हुए कार्यों एवं योजनाओं की भी जानकारी दी।

भाजपा अपने मुंह मियां मिट्ठू कब तक बनेगी

उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में देश व जनहित की जरूरी बातों को ध्यान में रखकर ही मताधिकार का प्रयोग करना चाहिए, ताकि देश में सही संवैधानिक सोच वाली बहुजन-हितैषी सरकार बन सके। यही डॉ. आंबेडकर को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। करोड़ों गरीबों, मजदूरों, वंचितों, शोषितों की गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, लाचारी व उनके दुख-दर्द को दूर किए बिना देश का वास्तविक विकास व लोगों के अच्छे दिन कैसे संभव हैं। भाजपा अपने मुंह मियां मिट्ठू कब तक बनेगी।

अनुच्छेद 370 के मुद्दे को जिंदा रखेंगे: उमर

» बोले- मोदी अनंतकाल तक पीएम नहीं रहेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

श्रीनगर। नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने कहा कि उच्चतम न्यायालय द्वारा अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के फैसले को बरकरार रखने से यह मुद्दा समाप्त नहीं हो जाता है और उनकी पार्टी इसे तब तक जीवित रखेगी जब तक कि केंद्र में एक ऐसी सरकार नहीं आ जाती जो जम्मू कश्मीर का विशेष दर्जा बहाल करने पर चर्चा करने को तैयार हो। अब्दुल्ला ने कहा, यह सरकार हमेशा नहीं रहेगी।

पृथ्वी पर ऐसी कोई ताकत नहीं है जो मोदी को अनंतकाल के लिए पद पर रख सके, पृथ्वी पर ऐसी कोई ताकत नहीं है जो भाजपा को हमेशा पद पर बनाए रख सके। प्रत्एक सरकार का कार्यकाल निश्चित होता है, कुछ का कार्यकाल लंबा होता है, कुछ का छोटा होता है। ऐसा क्यों मान लें कि भविष्य में ऐसी कोई सरकार नहीं आएगी जो अनुच्छेद 370 पर हमसे बात करने को तैयार नहीं होगी। उत्तरी कश्मीर के बारामूला निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा चुनाव लड़ रहे अब्दुल्ला ने कहा कि अनुच्छेद 370 को निरस्त करने को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय का फैसला दुर्भाग्यपूर्ण था। मुझे विश्वास है कि भविष्य में एक ऐसी सरकार होगी जो जम्मू कश्मीर की विशेष स्थिति के हमारे मुख्य मुद्दों पर हमारे साथ जुड़ने में प्रसन्न होगी और जब तक ऐसा नहीं होता, हम अपना संघर्ष जारी रखेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, हम इसके लिए लड़ते रहेंगे और संघर्ष करते रहेंगे। उच्चतम न्यायालय की मुहर से मामला बंद नहीं होता, क्योंकि अगर एक मुहर से मामला बंद हो जाता है, तो अनुच्छेद 370 पर इससे पहले मुहर लग गई थी और उच्चतम न्यायालय ने इसके पक्ष में फैसला सुनाया था।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

...तो अब खान-पान पर संग्राम

तेजस्वी के वायरल वीडियो पर नेताओं में वार-पलटवार

- चुनावी लड़ाई में गंभीर मुद्दों से भटका रही बीजेपी
- कांग्रेस व इंडिया गठबंधन ने भाजपा पर बोला हमला
- पीएम का समर्थन कर गिरिराज ने लालू परिवार को घेरा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। चुनावी लड़ाई में सियासी दल हर वो मुद्दा उठाना चाहते हैं जिससे उन्हें लगता है कि इससे वह लोकसभा में चुनावी लाभ उठा पाएंगे। राम, राष्ट्र, धर्म, सेना, सीमा के बाद अब खानपान भी राजनैतिक मुद्दे बनाए जाने लगे है। दरअसल हाल ही में नवरात्र के एक दिन पहले राजद के नेता तेजस्वी ने एक वीडियो पोस्ट जारी की जिसमे वह चुनावी रैली के दौरान लंच के समय मछली रोटी खा रहे हैं। इस वीडियो पर संग्राम मच गया है। बीजेपी ने राजद को घेर लिया हैं।

वहीं विपक्ष कह रहा कि भाजपा व मोदी मुद्दों से भटकाने का काम कर रहें है। इस खानपाल वाले मुद्दे का चुनावों पर कितना असर होगा ये तो 4 जून के बाद पता चलेगा पर अभी तो फिलहाल नेताओं पर इसका जबरदस्त असर हो रहा है तभी तो बीजेपी के सबसे बड़े नेता से छोटे कार्यकर्ता तक इंडिया गठबंधन के सदस्यों को घेरने में लग गए हैं। सिर्फ खान पान ही नहीं अब आतंक व एनआईए भी चुनावी जुबानी जंग पर आ गया है। इस मामले पर सबसे ज्यादा रसाकस्सी बंगाल में हो रही है। दरअसल अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने बेंगलुरु के रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले के दो आरोपियों को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया और इस घटनाक्रम को लेकर राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच वाकयुद्ध शुरू हो गया।

बिहार की बेगूसराय लोकसभा सीट के एनडीए उम्मीदवार सह केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातों का समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने जो कहा वह बिल्कुल ही सत्य कहा है। आज वही लोग सनातन के विरोध में दुष्प्रचार कर रहे हैं और लोगों को चिढ़ाने का काम कर रहे हैं, जो मुगल मानसिकता के लोग हैं। दरअसल, पिछले दिनों तेजस्वी यादव द्वारा हेलिकॉप्टर में मछली खाने का वीडियो वायरल किया गया था। इसी बात को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक साल पूर्व के एक और वीडियो का जिक्र करते हुए कहा कि यह लोग मुगल मानसिकता के लोग हैं। आज जब नवरात्र चल रहे हैं तो वह मछली खाने का प्रचार कर रहे हैं। वहीं, उनके पिताजी एक वर्ष पूर्व जब सावन का माह था तब वैसे लोगों के घर में जो आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और जमानत पर बाहर हैं, उनके घर में मटन बनाकर उसका सेवन कर रहे थे। साथ ही साथ वीडियो बनाकर वायरल कर रहे थे।वहीं, उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे को लेकर कहा कि कांग्रेस परिवारवादी पार्टी है और उसमें किसी को सम्मान नहीं दिया जाता। जब सीताराम येचुरी अध्यक्ष थे तो उनका कुर्ता फाड़कर उन्हें बाहर निकाला गया था। हालांकि मल्लिकार्जुन खरगे बुद्धिमान व्यक्ति हैं और यही वजह है कि ऐसी स्थिति नहीं आ रही है। लेकिन यह बात भी स्पष्ट है कि मल्लिकार्जुन खरगे को अब कांग्रेस में सम्मान नहीं दिया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि आज बीजेपी पर सनातन का समर्थन करने का आरोप लगाया जा रहा है। तो मैं यह कहना चाहता हूं कि हम सनातनी हैं और सनातन का समर्थन करते रहेंगे। लेकिन वोट के लिए हम सनातनी राजनीति नहीं करते। भारत की जनता विकास चाहती है और विकासपुरुष के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को देख रही है। उन्होंने कहा कि जहां तक बिहार की बात है तो बिहार में 40 की 40 सीट पर एनडीए की जीत होगी, क्योंकि एनडीए के खिलाफ जो लोग हैं, वह टुकड़े-टुकड़े गैंग से जुड़े हुए हैं और ऐसे लोग एनडीए को परास्त नहीं कर सकते।

राज्य के खिलाफ अफवाह फैला रही बीजेपी : ममता

कूचबिहार में एक रैली को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री बनर्जी ने भाजपा पर राज्य के खिलाफ अफवाह फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा,"भाजपा के एक नेता को यह कहते हुए सुना कि बंगाल सुरक्षित नहीं है। पुलिस की त्वरित प्रतिक्रिया के बाद आरोपियों को दो घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया गया। उन राज्यों के बारे में क्या जहां आप सत्ता में हैं? टीएमसी नेता कुणाल घोष ने भी मालवीय के पोस्ट पर पलटवार किया और दावा किया कि आरोपियों को पश्चिम बंगाल पुलिस की मदद से गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, पश्चिम बंगाल पुलिस ने बेंगलुरु-कैफे विस्फोट के संबंध में गिरफ्तारी के माध्यम से बहुत बढ़िया काम किया है। यहां तक कि एनआईए ने भी अपने बयानों में इसे स्वीकार किया है। किसी भी विरोधी ताकत से सख्ती से निपटा जाना चाहिए। लेकिन मैं भाजपा और उनके चेलों से पूछना चाहता हूं- ए गिरफ्तारियां कहां से की गई हैं? कांथी हम सभी जानते हैं कि कौन सा परिवार और भाजपा का मुख्य नेता कोंताई से अवैध गतिविधियां चलाता है। कांथी या कोंताई को भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी और उनके परिवार का गढ़ माना जाता है। घोष ने राज्य एजेंसियों से घटना में परिवार की कथित भूमिकौ की जांच करने का अनुरोध किया।

पश्चिम बंगाल पुलिस ने भी भाजपा के दावों को झूठा करार दिया

पश्चिम बंगाल पुलिस ने भी भाजपा के दावों को झूठा करार दिया। पश्चिम बंगाल पुलिस ने कहा, पश्चिम बंगाल पुलिस ने भाजपा और उनके ट्रोल के झूठ का पर्दाफाश किया है। झूठ अपने चरम पर है। अमित मालवीय द्वारा किए गए दावों के विपरीत, तथ्य यह है कि रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में दो संदिग्धों को पश्चिम बंगाल पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों द्वारा एक संयुक्त अभियान में पूर्व मेदिनीपुर से गिरफ्तार किया गया है। मामले में पश्चिम बंगाल पुलिस की सक्रिय भूमिका को आधिकारिक तौर पर केंद्रीय एजेंसियों द्वारा स्वीकार किया गया है। पुलिस ने कहा कि राज्य कभी भी आतंकवादियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं रहा है और वह अपने लोगों को नापाक गतिविधियों से सुरक्षित रखने के लिए हमेशा सतर्क रहेगी।

टीएमसी ने बंगाल को बनाया आतंकवादियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह : मालवीय

भाजपा ने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने राज्य को आतंकवादियों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बना दिया है। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा कि राज्य पुलिस की त्वरित कार्वाई के कारण आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने कहा कि आरोपी अब्दुल मतीन अहमद ताहा और मुसव्विर हुसैन शाजिब का कोलकाता के पास ठिकाने का पता लगाया गया। अधिकारियों ने कहा कि वे वहां अपनी पहचान छुपाकर छिपे हुए थे। उन्होंने कहा कि ताहा विस्फोट की योजना बनाने और उसे अंजाम देने का मास्टरमाइंड था और शाजिब ने कैफे में परिष्कृत विस्फोटक उपकरण (आईईडी) रखा था। इस खोज अभियान एनआईए, केंद्रीय खुफिया एजेंसियों और पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, कर्नाटक और केरल राज्य पुलिस एजेंसियों के बीच समन्वित कार्वाई और सहयोग से समर्थित था। एक मार्च को बेंगलुरु के आईटीपीएल रोड, ब्रुकफील्ड स्थित रामेश्वरम कैफे में एक आईईडी विस्फोट हुआ था। विस्फोट में कई ग्राहक और होटल कर्मचारी घायल हो गए थे, जिनमें से कुछ गंभीर रूप से घायल हुए थे और इसमें संपत्ति को व्यापक नुकसान हुआ था। एनआईए ने मार्च में इसकी जांच अपने हाथ में ली थी और दोनों आरोपियों में से प्रत्येक की गिरफ्तारी के लिए सूचना देने वाले को 10 लाख रुपए का इनाम देने की घोषणा की थी। गिरफ्तारी के बाद पश्चिम बंगाल में भाजपा के सह-प्रभारी अमित मालवीय ने टीएमसी पर निशाना साधते हुए कहा कि पार्टी ने पश्चिम बंगाल को आतंकियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह में बदल दिया है।

राजद के घोषणा पत्र पर सियासत शुरू

राष्ट्रीय जनता दल के घोषणा पत्र पर बिहार में सियासत शुरू हो गई है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) ने कहा कि राजद के घोषणा पत्र पर निशाना साधा। बिना नाम लिए उन्होंने तेजस्वी यादव और उनके परिवार पर हमला भी बोला। चिराग पासवान ने कहा कि एक करोड़ लोगों को नौकरी अगर दे सकते हैं हैं तो लंबे समय तक इन्हीं के परिवार के लोग बिहार की सत्ता में रहे। और, उस वक्त कैसे नौकरियां बांटी गई?, यह सबको पता है। चुनावी समय में वादे बड़े-बड़े किए जाते हैं। जब सत्ता में आते हैं तब सच्चाई का पता चलता है। हकीकत तो यह है कि इनलोगों को जब भी सत्ता मिलती है तो यह लोग बहाना बनाना शुरू कर देते हैं और कहने लगते हैं कि यह गठबंधन का वादा नहीं हमारा वादा था और जब हमारी सरकार आएगी तब इसे पूरा किया जाएगा।

लालॅ-राबड़ी के समय विकास होता तो आज बिहार पिछड़ा राज्य नहीं कहलाता : चिराग

तेजस्वी यादव द्वारा एक करोड़ रोजगार देने की घोषणा पर चिराग पासवान ने कहा कि यह पहली बार आपको मौका नहीं मिला। आपको परिवार के दो-दो लोग लंबे समय तक मुख्यमंत्री रह चुके हैं। उस समय अगर विकास होता तो आज बिहार पिछड़ा राज्य नहीं कहलाता। यह सबको समझ आ रहा है कि खाने के दांत कौन से हैं और दिखाने के दांत कौन से हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बाल तस्करी मानवता को शर्मसार करने वाला कृत्य!

दरअसल में जबसे आईवीफ व सोरोगेट मदर या किराये के कोख जैसे शब्द भारत में आए हैं इस तरह की बाल तस्करी होना आम बात हो गई। भारी कमाई व मुनाफे के चलते इस तस्करी का चलन बढ़ता जा रहा है। ये कतई गलत काम है नीति नियंताओं को इस पर हर हाल में रोक लगानी हो अन्यथा मानवता का खून हो जाएगा।

अभी गत दिनों राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में मानवता को शर्मसार होने वाली घटना घटी। देश की राजधानी में पुलिस ने नवजात बच्चों के खरीद व फरोख्त करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। यह घटना सरकारी व्यवस्था पर भी सवालिया निशान लगा रही है। दरअसल में जबसे आईवीफ व सोरोगेट मदर या किराये के कोख जैसे शब्द भारत में आए हैं इस तरह की बाल तस्करी होना आम बात हो गई। भारी कमाई व मुनाफे के चलते इस तस्करी का चलन बढ़ता जा रहा है। ये कतई गलत काम है नीति नियंताओं को इस पर हर हाल में रोक लगानी हो अन्यथा मानवता का खून हो जाएगा। ज्ञात हो कि देश की राजधानी दिल्ली में तमाम जांच एजेंसियों की नाक के नीचे नवजात बच्चों की खरीद-फरोश्त की मंडी चल रही थी जहां दूधमुंहे एवं मासूम बच्चों को खरीदने-बेचने का धंधा चल रहा था। दिल्ली की 'बच्चा मंडी' के शर्मनाक एवं खौफनाक घटनाक्रम का पर्दापाश होना, अमानवीतया एवं संवेदनहीनता की चरम पराकाष्ठा है। जिसने अनेक ज्वलंत सवालों को खड़ा किया है।

आखिर मनुष्य क्यों बन रहा है इतना क्रूर, अनैतिक एवं अमानवीय? सचमुच पैसे का नशा जब, जहां, जिसके भी सर चढ़ता है वह इंसान शैतान बन जाता है। दिल्ली के केशवपुरम इलाके में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने छापेमारी कर ऐसे ही शैतानों के कुकृत्यों का भंडाफोड किया और एक महिला समेत सात लोगों को रंगेहाथ गिरफ्तार किया, इसके साथ ही तीन नवजात शिशुओं को उनके चंगुल से बचाया। आरोपियों में एक अस्सिटेंट लेबर कमिश्नर को इस धंधे का मास्टर माइंड माना जा रहा है। न केवल दिल्ली वालों के लिए बल्कि देशवासियों के लिए यह खबर चिंता पैदा करने वाली ही नहीं है, बल्कि खौफ पैदा करने वाली भी है। दिल दहाले देने वाली इस घटना में सीबीआई की अब तक की जांच से पता चला है कि आरोपी फेसबुक पेज और व्हाट्सएप ग्रुप जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर विज्ञापन के माध्यम से बच्चे गोद लेने के इच्छुक निसंतान दंपतियों से जुड़ते थे। आरोपी कथित तौर पर वास्तविक माता-पिता के साथ-साथ सेरोगेट माताओं से भी नवजात बच्चे खरीदते थे। इन नवजात बच्चों को चार से छह लाख रुपए में बेच दिया जाता था। जांच से जुड़े सीबीआई अधिकारियों के अनुसार एजेंसी की गिरफ्त में आए आरोपी बच्चों को गोद लेने से संबंधित फर्जी दस्तावेज तैयार कराते थे। गरीब माता-पिता से भी बच्चे खरीदे जाते थे। बच्चों की खरीद-फरोख्त और बच्चों की तस्करी एक ऐसी समस्या है जिस पर तभी ध्यान जाता है जब कोई सनसनीखेज खबर सामने आती है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

अब नहीं रहा नागरिकता संशोधन मुद्दा

विवेक शुक्ला

रमजान के महीने के अंत के बाद ईद मनाई गई है। इस बार के रमजान पर राजधानी दिल्ली के शाहीन बाग में खुशगवार माहौल बना रहा। इससे सारे देश और दुनिया में एक संदेश तो साफ तौर पर चला गया कि नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) अब मुसलमानों के लिए कोई मुद्दा नहीं रहा। याद करें कि इसी शाहीन बाग में सीएए के खिलाफ महिलाओं ने लंबा धरना दिया था। धरना देने वाली महिलाएं कह रही थीं कि सीएए के बहाने मुसलमानों को प्रताड़ित किया जाएगा। धरना कोविड के फैलने के कारण सरकार ने सख्ती से बंद करवा दिया था। उस समय धमकी दी जा रही थी कि सीएए के खिलाफ धरना फिर शुरू होगा, पर यह नहीं हुआ। गृह मंत्री अमित मोदी बार-बार मुसलमानों को भरोसा देते रहे कि सीएए से उन्हें घबराने की कोई वजह नहीं है। इसका सकारात्मक असर हुआ। जब केन्द्र सरकार ने सीएए की पिछली 11 मार्च को अधिसूचना जारी की तो एक बार लगा कि इसका विरोध होगा, पर कहीं कुछ नहीं हुआ।

लोकसभा चुनाव की घोषणा से पहले सीएए की अधिसूचना के बाद उम्मीद थी कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल सीएए को लागू करने के मसले को लोकसभा चुनाव में उठाएंगे। लेकिन हैरानी की बात है कि किसी भी दल ने इसे मुद्दा नहीं बनाया। दरअसल लोकसभा चुनावों का एजेंडा इस बार कुछ बदला- बदला सा है। आम तौर पर कांग्रेस और अन्य भाजपा विरोधी पार्टियां मोदी को कट्टर हिन्दुत्ववादी बताकर सेकुलर एजेंडे के साथ चुनाव मैदान में उतरती हैं, पर इस बार मुद्दा ईडी, सीबीआई और तानाशाही को बनाया जा रहा है। कांग्रेस भी उन मुद्दों को चुपचाप किनारे रख कर आगे बढ़ रही है, जिन पर भाजपा को घेरती रही है। सीएए, एनआरसी और धारा 370 जैसे मुद्दे कांग्रेस के घोषणापत्र से ही गायब हैं। आम आदमी पार्टी मुख्यमंत्री केजरीवाल जेल की सलाखों के पीछे वाली तस्वीर को अपनी चुनावी कैंपेन में प्रमुखता से पेश कर रही है। पिछली बार विधानसभा के चुनाव से पहले दिल्ली में सीएए से संबंधित चर्चाएं, विरोध प्रदर्शन या हिंसा की घटनाएं सबसे ज्यादा हुईं।

केवल भारत से संबंध रखने वाले समुदायों के भीतर ही सीएए या एनआरसी के बारे में ही चिंताएं व्यक्त नहीं की गई, बल्कि दुनिया के कई अन्य

देशों में भी यहीं के कुछ ताकतों ने भारत के विधेयकों के खिलाफ, रैलियां, सेमिनार, या विरोध प्रदर्शन आयोजित करवाए। उनका उद्देश्य सीएए और उससे जुड़ी नीतियों के पक्ष या विपक्ष में केवल जागरूकता बढ़ाना नहीं था, बल्कि यह दिखाना भी था कि मोदी सरकार मुसलमानों के विरुद्ध काम कर रही है। सीएए पर दिल्ली से शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन देश के अन्य हिस्सों में फैल गया और जल्दी ही यह हिंदू-मुस्लिम मुद्दे में बदल गया। दिल्ली में सार्वजनिक संपत्ति को खूब नुकसान पहुंचाया गया और विरोध प्रदर्शन हिंसक भी हुए। एक लोकतांत्रिक देश में हर मुद्दे पर विरोध का अधिकार है, लेकिन क्या सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का भी हक है। जबकि विधेयक में पहले दिन से कहा गया था कि यह केवल उन शरणार्थियों पर लागू किया जाएगा जो 'धर्म के आधार पर उत्पीड़न' के कारण भारत में शरण लेने के लिए मजबूर थे। भारतीय संविधान में नागरिकता अधिनियम, 1955 पहले से ही मौजूद हैं। सीएए में किसी ने भी तब के प्रावधानों को नहीं छेड़ा। नागरिकता अधिनियम, 1955 के अनुसार, कोई भी विदेशी, चाहे वह किसी भी जाति या धर्म का हो, भारतीय नागरिकता के लिए आवेदन कर सकता है, और इससे पहले पाकिस्तान के कई लोगों (मुसलमानों को भी) को इसी आधार पर भारतीय नागरिकता दी गई है। बस प्रतीक्षा अवधि केवल 12 वर्ष की होती है। राजधानी दिल्ली में शाहीन बाग और कुछ हद तक खुरेंजी के धरने देश के लिए सबक थे। सीएए के विरोध के नाम पर मंच सजते थे, जहां पर दिए जाने वाले सांप्रदायिक भाषण बहुत परेशान करने वाले थे। ओखला निर्वाचन क्षेत्र के नेताओं से लेकर जामिया विश्वविद्यालय के छात्र नेताओं तक ने सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। एक वर्ग के लोगों को यहां तक कहा गया कि मोदी मुसलमानों को डिटेंशन कैंप में भेज देंगे।

अब उसी दिल्ली में सीएए का कोई विरोध नहीं है, क्योंकि अब दिल्ली के मुसलमान इसका हिस्सा नहीं बनना चाहते। प्रख्यात लेखक और इतिहासकार फिरोज बख्त अहमद कहते हैं कि सीएए में केवल सताए गए धार्मिक अल्पसंख्यकों का उल्लेख है जो स्पष्ट रूप से पाकिस्तान और बांग्लादेश में रहने की स्थिति में नहीं हैं। उन्हें यह भी मालूम है कि अहमदिया मुसलमान भी पाकिस्तान में उत्पीड़न का सामना कर रहे हैं यदि वे भी चाहे तो पुराने कानून के अनुसार अन्य गैर-भारतीयों की तरह नागरिकता के लिए आवेदन कर सकते हैं।

कुदरती संसाधनों के दुरुपयोग से उपजा शहरी जल संकट

देविंदर शर्मा

कई साल पहले, मैंने टाइम्स पत्रिका में एक बहुत दिलचस्प लेख पढ़ा था 'केप टाउन के भारी जल संकट के बीच जीना कैसा होता है।' इस डर से कि आने वाले महीनों में शहर सूख जाएगा, दक्षिण अफ्रीका पहला शहर बन गया जिसने न केवल चेतावनी दी, बल्कि यह भी बताया कि जब नल सूख जाएंगे और दैनिक जरूरतों को पूरा करने के लिए भूजल ढूंढ़े से भी नहीं मिलेगा तो यह कितना भयानक होगा। पिछले कुछ हफ्तों में, बेंगलुरु जिस गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है, उस पर कई लेख आए हैं, जिनमें शहर के कुछ हिस्सों में ऊंची इमारतों के निवासियों को पड़ोसी मॉल में शौचालय का उपयोग करने के लिए मजबूर होने की खबरें शामिल हैं, जो केप टाउन के दुखद कल्पनाओं वाले परिदृश्य के समान हैं। विशेष रूप से देश के एक अंग्रेजी दैनिक में प्रकाशित एक लेख 'जब नल सूख जाते हैं' में दिखाया गया कि कैसे कभी झीलों का शहर, जैसा कि इसे कभी जाना जाता था, एक शहरी कंक्रीट का जंगल बन गया, 'आर्थिक विकास' का शिकार हो गया।

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की सीमा मुंदोली ने अपने विचारोत्तेजक लेख में वास्तव में पाठकों को तीन 'आर' यानी- हमारे रिश्ते, हमारे अधिकार और हमारी जिम्मेदारियां - पर विचार करने के लिए प्रेरित किया कि कैसे शिक्षित लोगों ने सपनों को इतनी तेजी से धूमिल होने दिया है। यहीं पर मुझे लगता है कि बेंगलुरु के जल संकट की तुलना पंजाब के भूजल में चिंताजनक गिरावट से करना महत्वपूर्ण हो गया है। पानी की अधिक खपत करने वाली धान की खेती को तेजी से भूजल की कमी के पीछे प्रमुख कारण बताया जा रहा है, जबकि 138 विकास खंडों में से 109 से अधिक ब्लॉक पहले से ही डार्क जोन, जहां निकासी की दर पुन: आपूर्ति की दर से अधिक है, में आते हैं। पानी की तलाश ने किसानों को अधिक गहराई तक जाने के लिए सबमर्सिबल पंप स्थापित करने के लिए उकसाया है, और कई मामलों में इसे सीधे जलीय चट्टानी परत से प्राप्त किया है। कई अध्ययनों से पता चला है कि पंजाब का भूजल जल्द ही खत्म हो जाएगा, कुछ का तो यह भी अनुमान है कि भूजल 17 साल से अधिक नहीं टिकेगा।

पंजाब में, कई दशकों से फसल विविधीकरण का सुझाव दिए जाने के बावजूद, धान का क्षेत्रफल असल में बढ़ा है। इस वर्ष, पंजाब में धान का सबसे अधिक रकबा और सर्वाधिक उपज भी दर्ज की गई। हालांकि ऐसा माना जाता है कि धान की फसल में 1 किलो चावल पैदा करने के लिए 5,000 लीटर से अधिक पानी की आवश्यकता होती है। हालांकि यह अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग होता है। पंजाब केंद्रीय भंडार में चावल का सबसे बड़ा योगदानकर्ता भी है। इसलिए यह खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फिर भी, ऐसा इसलिए है क्योंकि केंद्र व राज्य सरकारें धान के लिए आर्थिक रूप से कोई ठोस विकल्प लेकर नहीं आई हैं, फसल विविधीकरण अभी तक जड़ें नहीं जमा सका है।

आश्चर्य होता है कि अगर फसल विविधीकरण पंजाब के लिए एक समाधान है, तो बेंगलुरु के मामले में यह 'शहर विविधीकरण' क्यों नहीं हो सकता? महानगर की वहन क्षमता को देखते हुए, शहर अब चरमरा रहा है। 2011 में 8.7 मिलियन से, अगले 10 वर्षों में जनसंख्या बढ़कर 2021 तक अनुमानित 12.5 मिलियन हो गई। अब तक यह 15 मिलियन के करीब होगी। इसलिए जनसंख्या में इतनी अनियंत्रित वृद्धि की अनुमति देने के लिए नीति निर्माताओं को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। सभी दिशाओं में फैलने के बजाय, बेंगलुरु शहर का विविधीकरण किया जा सकता था - पड़ोसी शहरों को आबादी के प्रवाह को संभालने के लिए प्रोत्साहित करके। किसी भी स्थिति में, 'शहरों और समुदायों' का सतत विकास एसडीजी 11 के अंतर्गत आता है, और यह एसडीजी 8 से भी जुड़ा है जो 'सभ्य कार्य और आर्थिक विकास' की बात करता है। 'शहरों और मानव बस्तियों को समावेशी, सुरक्षित, लोचशील और टिकाऊ' बनाना एसडीजी 11 द्वारा निर्धारित कार्यों में से एक है। स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए शहरी फैलाव को प्रतिबंधित करना शहर की नगर परिषदों का कार्य होना चाहिए था। पानी की बर्बादी को कम करने के लिए व्यावहारिक कदम उठाएं। ऐसे तदर्थ निर्णय ऐसे किसी संकट का समाधान नहीं कर सकते जो कि भयावह भविष्य की ओर इशारा कर रहा है।

इसके विपरीत, यह प्रशासनिक ताकत के दुरुपयोग के अलावा और कुछ नहीं है जिसने झीलों को बिल्डरों द्वारा हड़पने की अनुमति दी। कई झीलें शहर द्वारा प्रतिदिन फेंके जाने वाले भारी कूड़े-कचरे का डंपिंग ग्राउंड बन गई हैं। झीलों को पुनर्जीवित करने के जन आंदोलन के बावजूद प्रशासन नींद में है। अब भी, उदाहरण के लिए, सभी की निगाहें शहर के पूर्वी हिस्से में जुन्नसांद्रा झील के 24 एकड़ में आवास परिसर स्थापित करने पर हैं, जो सूख गई है। आईटी हब के आसपास, हलनायकनहल्ली झील सभी प्रकार के मलबे और कचरे का डंपिंग ग्राउंड है। जैसा कि किसी ने कहा, 'कई झीलें बारहमासी बन गई हैं- कचरे और मलबे के साथ!' धान की बढ़ती खेती के साथ-साथ पंजाब के किसानों को पराली जलाने के लिए भी दोषी ठहराया जाता है। ऐसी गलती करने वाले किसानों के खिलाफ एफआईआर, जुर्माना, राजस्व रिकॉर्ड में रेड एंट्री और सब्सिडी वाले इनपुट की आपूर्ति को प्रतिबंधित करने जैसे कुछ अन्य कदम उठाए जाते हैं। मगर प्रशासनिक अधिकारियों और रियल एस्टेट कंपनियों पर एफआईआर क्यों नहीं दर्ज की जाती जिन्होंने उस जमीनों पर कब्जा कर लिया जहां पर कभी झीलें और जलाशय होते थे।

रामनवमी का महत्व

रामनवमी के दिन मर्यादा पुरूषोत्तम राम का जन्म हुआ था जिनको भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है। त्रेतायुग में अधर्म का नाश करने के लिए भगवान विष्णु ने यह अवतार लिया था। चैत्र शुक्ल पक्ष में नवमी के दिन पुनर्वसु नक्षत्र के समय में इनका जन्म पृथ्वी पर हुआ था। कर्क लग्न में राजा दशरत के घर में राजा राम ने रानी कौशल्या के गर्व से जन्म लिया था। रामनवमी के दिन को ही वसंत रात्रि का अंतिम दिन माना जाता है। सूर्य भगवान को मर्यादापुर्षोत्तम राम के पूर्वज के रूप में देखा जाता है इसलिए इस दिन सूर्य देव को जल चढ़ाया जाता है। चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की नवमी के दिन इस पर्व को रामनवमी के नाम से मनाया जाता है। चैत्र नवरात्रि का यह अंतिम दिन श्री राम को समर्पित है। माता दुर्गा को प्रसन्न करने हेतु इस दिन की गयी पूजा का विशेष महत्व है। रामनवमी का पर्व भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया के कई हिस्सों में बड़ी धूमधाम के साथ मनाया जाता है। इस बार नवरात्रि का आरंभ 9 अप्रैल से हो रहा है।

भए प्रगट कृपाला दीनदयाला...

चैत्र नवरात्रि का हर दिन सनातन धर्म में बहुत महत्व रखता है। लेकिन नवरात्रि का नवां दिन यानि रामनवमी का पवित्र दिन और भी विशेष हो जाता है। इस दिन भगवान राम की पूजा के साथ-साथ दुर्गा माता की भी पूजा की जाती है। हिंदु धर्म का अनुपम महाकाव्य रामायण वाल्मीकि द्वारा रचित है। त्रेतायुग की राम की कथा का इस महाकाव्य में वर्णन किया गया है। भारत के उत्तरी क्षेत्रों में नवरात्रि को ज्यादा महत्व दिया जाता है, लेकिन दक्षिण भारत में मात्र एक पर्व को मनाया जाता है। देवताओं और भक्तों को दुखों से मुक्त करने के लिए भगवान श्री विष्णु ने अपने आठवें अवतार के रूप ने मृत्यु लोक में जन्म लेकर रावण का नाश कर सभी देवताओं और भक्तों को दुखों व अत्याचारों से मुक्त किया। तब से लेकर आज तक यह दिन इस पर्व के नाम से मनाया जाता है।

पूजा विधि

रामनवमी के इस त्योहर पर लोग सुबह जल्दी उठ कर भगवान श्री राम की आराधना करना शुरू कर देते हैं। मंदिरों को सजाया जाता है। पूजा के समय आसन से उठना उचित नहीं माना जाता है, इसलिए पूर्ण पूजा सामग्री को पहले से ही भक्त अपने समीप रखते हैं। पूजा के प्रसाद में इस दिन खीर और फलों को दिया जाता है। रामचरितमानस के पाठ की इस दिन विशेष महत्ता है। इस पाठ को इस दिन करने से भक्त सभी कष्टों से मुक्त हो जातें हैं। यदि मंदिर जाना संभव न हो तो आप अपने घर में भी पूजा कर सकते है। पूजा के लिए सबसे पहले एक लकड़ी की चौकी लें। उसपर लाल रंग का एक कपड़ा बिछाएं। इसके बाद राम परिवार जिसमें भगवान राम, लक्ष्मणजी, माता सीता और हनुमान जी हो ऐसी मूर्ति गंगाजल से शुद्ध करके स्थापित करें।

इसके बाद सभी को चंदन या रोली से तिलक करें। फिर उन्हें अक्षत, फूल, आदि पूजन सामग्री चढ़ाएं। इसके बाद घी का दीपक जलाकर राम रक्षा स्त्रोत, श्रीराम चालीसा और रामायण की चौपाइयों का पाठ तरें। आप चाहें तो इस दिन सुंदर कांड के पाठ या हनुमान चालीसा का पाठ भी कर सकते हैं।

शुभ मुहुर्त

पंचांग के अनुसार, चैत्र मास की नवमी तिथि का आरंभ 16 अप्रैल के दिन मंगलवार को दोपहर 1 बजकर 23 मिनट से प्रारंभ होगा और नवमी तिथि 17 जनवरी को दोपहर 3 बजकर 15 मिनट तक रहेगी। उदया तिथि में नवमी तिथि होने के कारण रामनवमी का पर्व 17 अप्रैल को मनाया जाएगा। 17 अप्रैल को पूरे दिन रवि योग भी रहने वाला है।

हंसना मना है

टीचर- एक औरत एक घंटे मे 50 रोटी बना लेती है, तो तीन औरतें एक घंटे में कितनी रोटी बनाएंगी....बच्चा- एक भी नही, क्योंकि तीनों मिलकर सिर्फ चुगली करेंगी...! बच्चे की बात सुनकर टीचर अभी तक बेहोश है...

वकील - हत्या की रात तुम्हारे पति के अंतिम शब्द? पत्नी - मेरा चश्मा कहां है संगीता...? वकील - तो इसमें मारने वाली क्या बात थी...? पत्नी - मेरा नाम रंजना है! पूरा कोर्ट खामोश...

पप्पू जलेबी बेच रहा था, लेकिन कह रहा था आलू ले लो आलू ले लो... राहगीर- लेकिन ये तो जलेबी है, पप्पू- चुप हो जा! वरना मक्खियां आ जाएंगी।

एक सज्जन बता रहे थे कि वो पिछले 20 सालों से गीता के उपदेश सुनते आ रहे हैं...! पता करने पर पता चला कि गीता उनकी धर्मपत्नी का नाम है...!!!

कहानी — बिल्ली के गले में घंटी

एक बहुत बड़े घर में सैकड़ों चूहे रहते थे। वो अपना पेट भरने के लिए पूरे घर में टहलते थे। सभी चूहे हंसी-खुशी अपना पेट भर लिया करते थे। उनकी जिंदगी बड़े आराम से कट रही थी। अचानक एक दिन उस घर में शिकार करने के लिए, कहीं से एक बिल्ली आ गई। बिल्ली को देखते ही सारे चूहे तेजी से अपने-अपने बिल में छिप गए। उसने देखा कि उस घर में तो बहुत सारे चूहे हैं। उसने यहीं रहने का मन बना लिया। अब बिल्ली उसी घर में रहने लगी। जब भी उसे भूख लगती, तो बिल्ली अंधेरे में जाकर छिप जाती थी। जब चूहे बाहर निकलते, तो बिल्ली उन पर झपटा मारकर खा जाती थी। ऐसा रोज होने लगा। धीरे-धीरे चूहों की संख्या कम होने लगी थी। अब चूहों में दहशत फैल गई थी। इस समस्या का हल निकालने के लिए चूहों ने एक सभा बुलाई। सभा में सभी चूहे मौजूद थे। सभी ने कई सुझाव दिए, ताकि बिल्ली के आतंक को रोका जा सके और उसका शिकार बनने से चूहे बचे रहें। किसी का सुझाव ऐसा नहीं था, जिससे बिल्ली का आंतक रोका जा सके। सभी चूहे बैठे ही थे कि अचानक से एक बूढ़े चूहे ने सुझाव दिया। उसने कहा कि हम बिल्ली से बच सकते हैं, लेकिन उसके लिए एक घंटी और धागे की जरूरत पड़ेगी। बूढ़े चूहे ने कहा कि हम बिल्ली के गले में घंटी बांध देंगे और जब वह आएगी, तो घंटी बजने से हमें खतरे के बारे में पता चल जाएगा। खतरा जानने के बाद हम लोग भाग कर अपनी बिल में छिप जाएंगे। इससे हम लोग बिल्ली का शिकार बनने से बचे रह सकते हैं। सभी चूहे खुशी से झूमने लगे। सबने नाचना शुरू कर दिया और खुश होने लगे कि अब तो वह बिल्ली के खतरे से बचे रहेंगे। सभी चूहे खुशियां मना ही रहे थे कि अचानक से एक अनुभवी चूहा उठ खड़ा हुआ। उसने सभी चूहों को जोर से डांट लगाई और कहा कि चुप रहो, तुम सब मूर्ख हो। उसके बाद अनुभवी चूहे ने जो कहा, वह सुनकर सभी का मुंह उतर गया। चूहे ने कहा कि वो सब तो ठीक है, लेकिन जब तक बिल्ली के गले में घंटी नहीं बंध जाती, तब तक हम सुरक्षित नहीं हैं। अब तुम सब पहले ये बताओ कि आखिर बिल्ली के गले में घंटी बांधेगा कौन? सभी चूहे एक दूसरे की तरफ देखने लगे। सभा में सन्नाटा छा गया था। सभी चूहे निराश हो गए। इसी बीच बिल्ले के आने की आहट पाते ही सभी चूहे भागकर अपने-अपने बिल में जाकर छिप गए।

कहानी से सीख - इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि सिर्फ योजना बना लेने भर से ही आप कामयाब नहीं हो जाते। उस योजना को लागू करने के बारे में भी सोचना चाहिए। उससे पहले जश्न मनाना बेकार है।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। समाज में आपके कार्यों की आलोचना होगी।

वृषभ

मेहनत सफल रहेगी। कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। ऐश्वर्य के साधन मिलेंगे। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी।

मिथुन
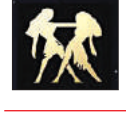
पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा। नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें।

कर्क

यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम न उठाएं। प्रसन्नता रहेगी। धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी।

सिंह

फालतू खर्च होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। दूसरों पर अतिविश्वास न करें। वस्तुएं संभालकर रखें। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

कन्या
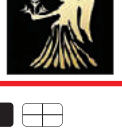
डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा।

तुला

घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे, प्रयास करें। प्रसन्नता रहेगी। उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा।

वृश्चिक

राजकीय बाधा दूर होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। प्रसन्नता रहेगी। अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद।

धनु

वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। विवाद को बढ़ावा न दें। कुसंगति से हानि होगी। आय कम होगी। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे।

मकर

राजकीय बाधा दूर होगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। प्रमाद न करें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे।

कुम्भ

संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। शत्रु परास्त होंगे। बेरोजगारी दूर होगी। यात्रा, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे। व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें।

मीन

यात्रा मनोरंजक रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। आय में अधिक व्यय से मनोबल कमजोर पड़ सकता है।

बॉलीवुड | मसाला

बिग बॉस में ट्रॉफी जीतने पर पैसे न मिलने से दुखी हैं मनीषा

मनीषा रानी खोलेंगी चाय की दुकान

फेंस के दिलों की धड़कन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और रियलिटी शो का चर्चित चेहरा मनीषा रानी अपनी बातों के कारण सुर्खियों का हिस्सा बनी रहती हैं। बिग बॉस ओटीटी सीजन 2 में दिखाई देने के बाद मनीषा ने झलक दिखला जा 11 में धनश्री वर्मा, शोएब इब्राहिम, अद्रिजा सिन्हा और श्रीराम चंद्रा को कड़ी टक्कर देने के बाद डांस रियलिटी शो की ट्रॉफी अपने नाम कर दिखाई थी।

मनीषा रानी को लेटेस्ट ब्लॉग में उनके दोस्त महेश केशवाला के साथ देखा गया था। ठगेश के नाम से फेमस हैं, के साथ बातचीत करते हुए देख सकते हैं। इस इस ब्लॉग की बातचीत के दौरान ही मनीषा रानी ने खुलासा किया था कि उन्हें अभी तक जीत की रकम नहीं मिली है। दोनों ने मजाक करते हुए चाय की दुकान खोलने का फैसला करते हैं जिसमें मनीषा ने कहती हैं कि ठगेश इस दुकान को चलाएगा। ब्लॉग में आगे ठगेश मनीषा से कहते नजर आ रहे हैं कि उन्होंने झलक दिखला जा 11 जीता है और उन्हें ही दुकान खोलनी चाहिए। इस बारे में बात करते हुए मनीषा ने कहा, झलक की जीत की रकम अभी तक नहीं आई है उन्होंने आगे कहा, आधा काट लेंगे वो लोग, इसके बाद मनीषा ने कुछ चुटकुले सुनाए कि जब लोगों के पास एक अमीर साथी होता है तो वे कैसे अमीर हो जाते हैं। मनीषा रानी ने झलक दिखला जा 11 में अपनी शानदार डांस और बेहतरीन परफॉर्मेंस से दर्शकों के साथ-साथ जज को भी काफी इंप्रेस किया था। मनीषा ने इस शो में एंटरटेनमेंट का भी काफी तड़का लगाया था। डांस रियलिटी शो से पहले मनीषा बिग बॉस ओटीटी 2 में नजर आ चुकी हैं। मनीषा की सोशल मीडिया पर अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है।

बॉलीवुड | मन की बात

मैं बिना नेपोटिज्म के फिल्म इंडस्ट्री में हूं : विद्या बालन

विद्या बालन इस समय अपनी फिल्म दो और दो प्यार को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस प्रतीक गांधी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आने वाली हैं। विद्या बालन इन दिनों फिल्म की प्रमोशन में व्यस्त चल रही हैं। फिल्म प्रमोशन के दौरान एक्ट्रेस ने फिल्म इंडस्ट्री में अपने स्ट्रगल और नेपोटिज्म से जुड़े मुद्दों पर कई बातें कहीं। विद्या बालन उन एक्टर्स की लिस्ट में शामिल हैं जिन्होंने बिना गॉड फादर के इंडस्ट्री में अपनी पहचान बनाई है। विद्या को उनकी बेहतरीन एक्टिंग के दम पर इंडस्ट्री में पहचान मिली है। वहीं अब एक्ट्रेस ने नेपोटिज्म को लेकर बयान दिया है। विद्या बालन ने हाल ही में एक अखबार के साथ बातचीत की थी। इस दौरान एक्ट्रेस ने नेपोटिज्म पर सवाल करने पर कहा, मुझे नहीं पता इसका जवाब कैसे दूं क्योंकि नेपोटिज्म और बिना नेपोटिज्म मैं यहां हूं। किसी के बाप की इंडस्ट्री नहीं है। नहीं तो हर बाप का बेटा या बेटी सक्सेसफुल होते। एक्ट्रेस ने आगे बताया कि वो अपना काम खुद करके खुश हैं। कई बार उन्हें ऐसा लगता था कि शायद अगर उनको कुछ लोगों का सहारा मिला होता तो उस फेज में लोग थोड़े ज्यादा दयालु होते। लेकिन एक्ट्रेस को लगता है कि इससे वास्तव में कोई फर्क नहीं पड़ता है। इस दौरान विद्या ने अपने हार्टब्रेक और पास्ट रिलेशनशिप को लेकर भी कई बातें कहीं। उन्होंने खुलासा किया कि उन्हें अपने पहले रिलेशनशिप में धोखा मिला था। एक्ट्रेस ने बताया कि मुझे धोखा मिला था। जिस पहले लड़के को मैंने डेट किया था उसने मुझे चीट किया था। वो बहुत बुरा था। वर्कफ्रंट की बात करें तो, विद्या बालन प्रतीक गांधी केसाथ फिल्म दो और दो प्यार में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म का टीजर भी रिलीज हो गया है। फिल्म में इलियाना डिक्रूज भी हैं।

फिल्म इंडस्ट्री में लोग रसूख के लिए करते हैं शादी : नोरा फतेही

नोरा फतेही ने मडगांव एक्सप्रेस में अपनी परफॉर्मेंस से सबको इंप्रेस किया है। उन्होंने हाल में बॉलीवुड कपल को लेकर हैरान करने वाला बयान दिया। एक्ट्रेस का दावा है कि ज्यादातर बॉलीवुड कपल अपना महत्व बनाए रखने और सही कैंप में बन रहने के लिए शादी करते हैं।

नोरा फतेही हाल में रणवीर इलाहाबादिया के शो बीयर बाइसेप्स में पहुंची, जहां उन्होंने बताया कि क्यों ज्यादातर बॉलीवुड कपल शादीशुदा नहीं हैं और वे प्रासंगिक बने रहने के लिए एक-दूसरे का इस्तेमाल करते हैं।

नोरी फतेही ने कहा, वे सिर्फ आपके फेम की वजह से आपका इस्तेमाल करना चाहते हैं। वे मेरे साथ नहीं हो सकते, इसलिए आपने मुझे किसी लड़के के साथ नहीं देखा होगा, लेकिन मैं अपने सामने यह सब होते हुए देख चुकी हूं।

नोरा ने बताया कि लोग अपनी पत्नी या पति का इस्तेमाल नेटवर्किंग के लिए करते हैं। वे बोलीं, लोग पैसे के लिए अपने पति और पत्नी के नेटवर्क या सर्कल का इस्तेमाल करते हैं। वे सोचते हैं- मुझे उस शख्स से शादी करनी है, ताकि मैं तीन सालों तक प्रासंगिक बनी रहूं, क्योंकि उसकी कुछ फिल्में रिलीज हो रही हैं और वे बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कर रही हैं। इसलिए मुझे लहरों पर सवार होना है। लोग बहुत हिसाब-किताब लगाते हैं।

नोरा ने किसी का नाम लिए बगैर आगे कहा कि कपल ऐसा सही कैंप में बने रहने के लिए करते हैं। वे बोलीं, वे प्रासंगिक बने रहना चाहते हैं, क्योंकि उन्हें नहीं पता कि उनका करियर कहां जाएगा। इसलिए, उन्हें कोई बैकअप प्लान चाहिए।

कहां से आया नदी के बीच ये वीरान घर, दूर-दूर तक नहीं रहते लोग

दुनिया में बहुत से लोग ऐसे हैं, जिन्हें एकांत में रहना पसंद है। शांति की तलाश में ये लोग पहाड़ों पर घूमने जाते हैं, या फिर समुद्र की सैर करने निकल जाते हैं। वैसे तो शहरों की भीड़भाड़ से दूर हर व्यक्ति जाना चाहता है, मगर क्या आप किसी ऐसे घर में रह पाएंगे, जो आबादी से दूर, किसी नदी के बीचोंबीच एक पत्थर के ऊपर बना हो? ऐसा एक घर सर्बिया में मौजूद है, जो एक नदी के बीच निकले पत्थर के ऊपर बना है। पर इसकी कहानी क्या है? रेकॉन टॉक और माय बेस्ट प्लेस वेबसाइट्स की रिपोर्ट के अनुसार सर्बिया की द्रीना नदी में एक विशाल पत्थर के ऊपर एक घर बना है जो बेहद सुनसान जगह पर है। ये वीरान सा घर करीब 50 साल पहले बना था। जब नेशनल जियोग्राफिक में इस घर की तस्वीर पब्लिश हुई, तब इस घर के बारे में चर्चे शुरू हो गए और यहां पर्यटक भी जाने लगे। आपको बता दें कि ये घर बैजिना बास्ता नाम के एक कस्बे के पास बहने वाली नदी के बीच में बना है। ये टारा नेशनल पार्क के करीब है।

एक पत्थर पर बना ये घर 50 सालों से मौसम की मार झेल रहा है। कई बार ये तहस-नहस हो चुका है मगर इसे फिर से बनाया गया है। 1968 में ये घर पहली बार बना था। पत्थर के पास तैरने वाले तैराकों के एक समूह को ऐसी जगह की तलाश थी, जहां वो स्विमिंग के बाद आराम कर सकें और धूप ले सकें। उन्हें ये पत्थर उपयुक्त जगह लगी। इस पत्थर पर एक कमरे का मकान बनाने के लिए वो नाव और कायक से सामान लेकर आते थे। बड़े सामानों को नदी में बहा दिया जाता था और पत्थर के पास आकर उसे पकड़ लिया जाता था। हंगरी के फोटोग्राफर इरीन बेकर ने जब इसकी फोटो खींची, तब लोगों को इसकी खूबसूरती का अंदाजा हुआ। आज भी कायकिंग करने वाले, या फिर स्विमिंग करने वाले लोग यहां आते हैं और वक्त बिताते हैं। आज ये इलाके का फेमस टूरिस्ट डेस्टिनेशन बन चुका है।

अजब-गजब | जान गए तो मुश्किल में फंसने पर बच जाएगी जान!

इमर्जेंसी में क्यों करते हैं SOS का इस्तेमाल, क्या है मतलब?

हाइवे पर चलते हुए आपकी नजर रोड के बगल में बने टेलीफोन बूथ पर गई होगी जिसके ऊपर SOS लिखा होता है। या फिर डॉक्टरों के पर्चे, या अस्पताल के नंबरों के आगे SOS लिखा भी आपने देखा होगा। कई बार तो आपने कार्टूनों या फिल्मों में देखा होगा उसमें किरदार SOS लिखकर मदद मांगते हैं। तो क्या आपने कभी सोचा है कि आखिर एसओएस का मतलब क्या होता है? अगर आप नहीं जानते, तो तुरंत जान लीजिए क्योंकि अगर आप मुश्किल में फंस गए हैं तो ये आपके लिए बहुत काम आएगा।

मेंटल फ्लॉस वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार एसओएस एक प्रकार का डिस्ट्रेस सिग्नल है। पहले के समय में माना जाता था कि इसका फुल फॉर्म सेव आर सोल या सेव आर शिप है। पर असल में ये मोर्स कोड का एक साइन था। मोर्स कोड एक प्रकार की संपर्क प्रक्रिया है जिसमें डॉट या डैश के सहारे अक्षरों को संदेश के जरिए भेजा जाता है। इसमें तीन डॉट, तीन डैश और तीन डॉट (...—...) होते हैं। इंटरनेशनल मोर्स कोड में तीन डॉट का

मतलब स होता है वहीं तीन डैश का मतलब ह होता है, इस वजह से इस मोर्स कोड को स्हस कहने लगे।

अब सवाल ये उठता है कि एसओएस के पीछे क्या लॉजिक है? 20वीं सदी में जब वायरलेस रेडियो टेलीग्राफ मशीनें शिप पर लगना शुरू हुईं, तब नाविकों को ऐसे संकेतों की जरूरत पड़ी, जो बता सकें कि वो खतरे में हैं। इस तरह वो मदद मांगा करते थे। उन्हें ऐसे खास सिग्नल की जरूरत पड़ती थी, जिससे साफ और आसान तरीके से मदद की गुहार लगाई जा सके। उस वक्त अलग-अलग संस्थाएं, अलग-अलग संदेशों के तरीकों का प्रयोग किया करती थीं। उदाहरण के तौर पर अमेरिकी नेवी NC का प्रयोग करती थी, वहीं मारकोनी कंपनी सब्क का प्रयोग किया करती थी। जर्मन रेगुलेशन्स फॉर द कंट्रोल ऑफ स्पार्क टेलीग्राफी ने 1905 में ये नियम बनाया कि सभी जर्मन ऑपरेटर (...—...) का प्रयोग करेंगे।

अलग-अलग डिस्ट्रेस कॉल होने की वजह से मदद मांगने में भी समस्या होती थी और ये खतरनाक भी हो सकता था। वो इसलिए क्योंकि कई बार नाविक विदेशी पानी में होते थे, और तब दूसरे देश के ऑपरेटर को समस्या के बारे में बताना मुश्किल हो जाता। इस वजह से 1906 में इंटरनेशनल वायरलेस टेलीग्राफ कन्वेंशन ने बर्लिन में बैठक बुलाई और एक इंटरनेशनल स्टैंडर्ड डिस्ट्रेस कॉल की शुरुआत की। जर्मनी के डिस्ट्रेस कॉल (...—...) को आसान माना गया, इस वजह से 1 जुलाई 1908 को इसी संदेश को चुन लिया गया। अब के वक्त में मोर्स कोड की जगह SOS लिखकर या बोलकर भी लोग इसका प्रयोग कर लेते हैं।

बीजेपी ने चुनावी बॉण्ड से भ्रष्टाचार को वैध बना दिया : जयराम रमेश

» कांग्रेस ने भाजपा पर 2014 से लगातार भ्रष्टाचार-रोधी प्रयासों में बाधा डालने का आरोप लगाया

» लोकसभा चुनाव में वार-पलटवार जारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के मुद्दे को लेकर विपक्ष पर हमलावर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने देशभर में भ्रष्टाचार-रोधी प्रयासों में लगातार बाधा डाली है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने चुनावी बॉण्ड के माध्यम से भ्रष्टाचार को वैध बना दिया है, राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ जांच एजेंसियों को तैनात करके भ्रष्टाचार-रोधी प्रयासों का राजनीतिकरण किया है तथा भाजपा में शामिल होने वाले राजनीतिज्ञों के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया रोक दी है।

उन्होंने आरोप लगाया, प्रधानमंत्री मोदी का भ्रष्टाचार हटाओ का नारा देकर देशभर में घूमना एक विशेष प्रकार का पाखंड है। प्रधानमंत्री मोदी से ज्यादा किसी अन्य ने भ्रष्टाचार को वैध और सामान्य घटना साबित नहीं किया है। मोदी ने अपने चुनावी भाषणों में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर जोरदार आवाज उठाई है और दावा किया है कि जहां वह इस समस्या को खत्म करना चाहते हैं, वहीं कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल इसके लिए उन्हें निशाना बना रहे हैं तथा भ्रष्टाचारियों को बचाने के लिए एक साथ आ गए हैं।रमेश ने दावा किया कि जुलाई, 2018 में, मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार-निरोधक अधिनियम में संशोधन किया, जिससे भ्रष्टाचार-रोधी निकाय अप्रभावी हो गए। उन्होंने कहा, छह साल बाद, महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार-रोधी 65 प्रतिशत जांच अब भी मंजूरी के लिए लंबित है। उन्होंने कहा, भाजपा ने भ्रष्टाचार-रोधी निकायों को कैसे अप्रभावी बनाया? जुलाई 2018 में, मोदी सरकार ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम (पीसीए) में धारा 17(ए) पेश की। कांग्रेस महासचिव ने यह भी दावा किया कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के अनुसार, पीसीए के तहत महाराष्ट्र में देश में सबसे कम सजा दर है।

200 सीट भी नहीं जीतेगी भाजपा : ममता

जलपाईगुड़ी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव मे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 200 सीट पर भी जीत दर्ज नही कर सकेगी। उन्होने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से दी जा रही गारंटी को झूठा करार दिया। बनर्जी ने यहां पार्टी उम्मीदवार निर्मल चंद्र रॉय के लिए एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा भीमराव आंबेडकर द्वारा बनाया गए संविधान को नष्ट कर रही है। उन्होने तृणमूल कांग्रेस की चुनावी रैली मे कहा, भाजपा 200 सीट भी नही जीतेगी। उन्होने उत्तर बंगाल के लिए क्या किया है? प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के झांसे मे नही आएं। ये कुछ और नही बल्कि चुनावी जुमला है। बंगाल को उसका बकाया नही देना मोदी की गारंटी है। भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन राजग) ने आगामी चुनाव मे 400 से अधिक लोकसभा सीट पर जीत दर्ज करने का लक्ष्य तय किया है। बनर्जी ने कहा, आपने (भाजपा ने 2021) विधानसभा चुनाव से पहले कहा था कि वे बंगाल मे 200 से अधिक सीट जीतेगे, लेकिन आपकी गाड़ी 70 पर रुक गई। फिलहाल 70 मे से 10 पहले ही हमारे साथ जुड़ चुके है। अब इस संसदीय चुनाव मे आप 400 सीट जीतने का दावा कर रहे है। मै आपसे कहती हूं कि पहले 200 सीट पर जीत हासिल करे। बनर्जी ने भाजपा नेताओ को चुनाव के दौरान आने वाले पक्षी बताया।

लोस चुनाव मनुवादी विचारधारा के खिलाफ लड़ाई : खरगे

» बोले- आरएसएस ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कुछ नहीं किया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नागपुर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि 2024 का लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ नहीं बल्कि सत्तारूढ़ सरकार की मनुवादी विचारधारा के खिलाफ लड़ाई है। नागपुर लोकसभा सीट से केंद्रीय मंत्री और भाजपा के कद्दावर नेता नितिन गडकरी के खिलाफ कांग्रेस उम्मीदवार विकास ठाकरे के लिए एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए खरगे ने कहा कि कांग्रेस बाबासाहेब आंबेडकर के संविधान को बचाने के लिए लड़ रही है जो 140 करोड़ भारतीयों के अधिकारों की रक्षा करता है।

ठाकरे कोई नामी गिरामी उम्मीदवार नहीं, बल्कि जमीनी स्तर के कार्यकर्ता हैं। उन्हें मनुवादी विचारधारा को हराने के लिए चुना गया है। 2024 का लोकसभा चुनाव मोदी या गडकरी के खिलाफ नहीं बल्कि मनुवादी विचारधारा के खिलाफ लड़ाई है। खरगे ने दावा किया कि अगर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस)-भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत होती है, तो आगे कोई चुनाव नहीं होगा और वे संविधान को खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने देश की आजादी के लिए काम किया लेकिन अब मोदी पूछते हैं कि पार्टी ने पिछले 70 वर्षों में क्या किया है? खरगे ने आरोप लगाया, आरएसएस ने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कुछ नहीं किया, लेकिन अब वे राम मंदिर और बाबासाहेब आंबेडकर के नाम पर वोट मांगने आते हैं। आंबेडकर की एक तस्वीर तो छोड़िए, इन लोगों ने अपने कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज भी नहीं रखा। युवा इन संगठनों का इतिहास नहीं जानते हैं और मोदी के झूठ से गुमराह हैं।

सीएम योगी की मानवाधिकार आयोग में शिकायत

» मिर्ची के छौंक वाले भाषण पर आजाद अधिकार सेना ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने आज यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अपने चुनावी भाषणों में कथित दंगाइयों को उल्टा लटका कर उन पर नीचे से मिर्ची का छौंक लगाए जाने के भाषण के क्रम में मानवाधिकार आयोग में शिकायत की है।

अपनी शिकायत में उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पुलिस पहले से ही मानवाधिकार उल्लंघन को लेकर बदनाम रही है किंतु योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद उनके द्वारा खुलेआम पुलिस एनकाउंटर को बढ़ावा देने के कारण प्रदेश में मानवाधिकार उल्लंघन की घटनाएं कई गुना बढ़ गई है। इनमें तमाम घटनाएं राजनीतिक और अन्य विपक्षियों के खिलाफ की जा रही हैं। अमिताभ ठाकुर ने कहा कि पुलिस द्वारा लोगों को थानों में उल्टा लटका कर नीचे से मिर्ची का छौंक लगाने की योगी आदित्यनाथ की स्वीकारोक्ति से प्रदेश में पुलिस द्वारा खुले आम मानवाधिकार उल्लंघन की बात पूरी तरह स्थापित हो गई है। अत: उन्होंने मानवाधिकार आयोग से प्रदेश के मुख्य सचिव अपर मुख्य सचिव गृह तथा डीजीपी से इस संबंध में स्थिति ज्ञात कर इस पर तत्काल रोक लगाने के समुचित निर्देश देने की मांग की है।

वैष्णव खण्ड जनकल्याण समिति का पुनर्गठन

» सुमित सिंह बने सचिव नीलिमा जोशी अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। वैष्णव खण्ड जनकल्याण समिति के पदाधिकारियों की बैठक 14 अप्रैल को डॉ. ध्रुव कुमार त्रिपाठी की अध्यक्षता में हुई। जिसमे मुख्य रूप से क्षेत्र की समस्या पर हुआ जिसमे मुख्य रूप से पार्कों के किनारे इंटरलॉकिंग,झूले,जिम लाइट पर चर्चा हुई। सीवर जो मुख्य लाइन से कनेक्ट नही है जिससे कारण बरसात के दिन में पूरा क्षेत्र जलमग्न हो जाता है।

6ई/239 के सामने आज तक सड़क मुख्य मार्ग से नही मिली है और अन्य भी कई समस्याओं पर चर्चा हुई। समिति में पूर्व पदाधिकारी का समय पूर्ण होने के कारण नए कार्यकारिणी का गठन भी मीटिंग में संपन्न हुआ। जिसमे संरक्षक एवं सलाहकार मंडल में पूर्व अध्यक्ष संतराम चौधरी,पूर्व सचिव श्रीकांत यादव एवं मंगलकरण प्रसाद को शामिल किया गया। श्रीमती नीलिमा जोशी अध्यक्ष,डॉ ध्रुव कुमार त्रिपाठी वरिष्ठ उपाध्यक्ष,दयानंद सिंह और विश्वनाथ पाठक को उपाध्यक्ष,सुमित सिंह को सचिव,बीपीसिंह उप सचिव,गरिमा पटेल संयुक्त सचिव,रामलखन पटेल संगठन सचिव,अनीता सिंह सांस्कृतिक सचिव,सारिका मौर्या प्रचार सचिव,प्रदीप सिंह कोषाध्यक्ष,अमित सिंह प्रभारी विधि प्रकोष्ठ,प्रभारी अंकेक्षण प्रकोष्ठ प्रखर सिंह एवं कार्यकारिणी सदस्य डॉउपेंद्र, पी एल यादव,के एन पांडेय,डॉ. वी. कुमार,के के शुक्ला,नवेन्दु श्रीवास्तव,मुकुल महान और प्रदीप कुमार चौधरी को नियुक्त किया गया।

पथिराना के कहर से इंडियंस बेदम

» चेन्नई ने मुंबई को 20 रनों से हराया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सुपरकिंग्स के 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियन्स की टीम पथिराना (28 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने रोहित शर्मा की 63 गेंद में पांच छक्कों और 11 चौकों से नाबाद 105 रन की पारी के बावजूद छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी। मुंबई इंडियन्स के कप्तान हार्दिक पंड्या ने इंडियन प्रीमियर लीग में यहां चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ 20 रन की हार के बाद स्वीकार किया कि लक्ष्य को हासिल किया जा सकता था लेकिन विरोधी तेज गेंदबाज मथीसा पथिराना ने अंतर पैदा किया।

सुपरकिंग्स के 207 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई इंडियन्स की टीम पथिराना (28 रन पर चार विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने रोहित शर्मा की 63 गेंद में पांच छक्कों और 11 चौकों से नाबाद 105 रन की पारी के बावजूद छह विकेट पर 186 रन ही बना सकी। रोहित ने इशान किशन (23) के साथ पहले विकेट के लिए 70 और तिलक वर्मा के साथ तीसरे विकेट के लिए 60 रन की साझेदारी की लेकिन मुंबई को जीत नहीं दिला सके। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ (40 गेंद, 69 रन, पांच छक्के, पांच चौके) और शिवम दुबे (38 गेंद में नाबाद 66 रन, दो छक्के, 10 चौके) ने इससे पहले अर्धशतक जड़ने के अलावा तीसरे विकेट के लिए 90 रन की साझेदारी की जिससे सुपरकिंग्स ने चार विकेट पर 206 रन बनाए।

रोहित शर्मा के 500 छक्के, धोनी के 5 हजार रन

चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बीच आईपीएल 2024 में खेले गए मुकाबले में कई बड़े रिकॉर्ड्स देखने को मिले। चेन्नई के खिलाफ मैच के ज़रिए रोहित शर्मा ने टी20 करियर में 500 छक्कों का आंकड़ा पार कर लिया। रोहित यह आंकड़ा छूने वाले पहले भारतीय और ओवरऑल पांचवें बल्लेबाज़ बने। टी20 क्रि केट में सबसे ज़्यादा 1056 छक्केलगाने का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम पर दर्ज है। एमएस धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए 5000 रन पूरे कर लिए. मुंबई के खिलाफ धोनी ने 20* रनों की नाबाद पारी खेली थी, जिसके साथ उन्होंने 5 हजार रनों का आंकड़ा छुआ। धोनी चेन्नई के लिए 5 हजार रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज़ बने। एमएस धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 250 मैच खेल लिए हैं। वह चेन्नई के लिए यह आंकड़ा छूने वाले पहले खिलाड़ी बन गए।

राहुल गांधी के हेलिकॉप्टर की ली गयी तलाशी

तमिलनाडु में चुनाव आयोग के अधिकारियों ने की कार्यवाही

» चुनावी कार्यक्रम के लिए वायनाड जा रहे थे कांग्रेस नेता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु के नीलगिरी में चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के हेलिकॉप्टर की तलाशी ली। पुलिस ने बताया कि हेलीकॉप्टर के यहां उतरने के बाद उड़न दस्ते के अधिकारियों ने तलाशी ली। राहुल अपने संसदीय क्षेत्र केरल के वायनाड जा रहे थे, जहां वे सार्वजनिक रैली सहित कई चुनावी अभियानों में हिस्सा लेने वाले हैं। तमिलनाडु के सीमावर्ती क्षेत्र नीलगिरी जिले में राहुल गांधी ने कला एवं विज्ञान कॉलेज के छात्रों से मुलाकात की।

इसके बाद वे केरल के सुल्तान बाथेरी पहुंचने के लिए उन्होंने सड़क मार्ग से यात्रा की। सुल्तान बाथेरी में राहुल ने खुली छत वाली कार में बैठकर लोगों से मिले। सैकड़ों लोग उनकी रोड शो में शामिल होने पहुंचे। बता दें कि वायनाड निर्वाचन क्षेत्र में उनका सामना सीपीआई नेता एनी राजा और भाजपा उम्मीदवार सुरेंद्रन से होने वाला है।

2019 में वायनाड सीट से रिकॉर्ड मतों से जीते थे राहुल

बता दें कि लोकसभा चुनाव 2019 में राहुल गांधी अमेठी और वायनाड से चुनाव लड़े थे। अमेठी में उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। इस सीट पर भाजपा उम्मीदवार स्मृति ईरानी ने उन्हें 55,120 वोटों के अंतर से हराया था। जबकि वायनाड में राहुल गांधी को जीत मिली थी। इस बार फिर कांग्रेस ने वायनाड से राहुल गांधी को उम्मीदवार बनाया है।

हमारी लड़ाई मुख्य रूप से आरएसएस की विचारधारा से : राहुल

रोड शो के दौरान राहुल ने वहां मौजूद लोगों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा, हमारी लड़ाई मुख्य रूप से आरएसएस की विचारधारा से है। भाजपा और प्रधानमंत्री का कहना है कि वे एक राष्ट्र, एक चुनाव, एक नेता, एक भाषा चाहते हैं। भाषा कोई थोपी हुई चीज नहीं है। भाषा एक ऐसी चीज है जो लोगों के अंदर से आता है। केरल के लोगों से यह कहना कि आपकी भाषा हिंदी से कमतर है, अपमानजनक है। भारत में सिर्फ एक ही नेता होना चाहिए, ऐसा कहना देश के सभी युवा लोगों का अपमान करने जैसा है। वायनाड दौरे के दौरान कांग्रेस सांसद के मनंतवाड़ी बिशॉप से भी मुलाकात करने की संभावना है। शाम को कांग्रेस नेता कोझिकोड जिले में रैली को संबोधित करेंगे। बता दें कि लोकसभा चुनाव की तारिखों के एलान के बाद वायनाड में यह राहुल गांधी की दूसरी रैली है।

23 अप्रैल तक बढ़ी बीआरएस नेता के. कविता की न्यायिक हिरासत

» 11 अप्रैल को सीबीआई ने किया था गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 15 अप्रैल को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) नेता के. कविता को सीबीआई द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के एक मामले में 23 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। के कविता को कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। बता दें कि शराब नीति घोटाला मामले में के कविता की 3 दिन की न्यायिक हिरासत आज खत्म हो गई थी।

इसके बाद उन्हें राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट में सुनवाई के दौरान सीबीआई ने के कविता को 14 दिन तक न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की मांग की थी। इसके बाद उनकी न्यायिक हिरासत को 23 अप्रैल तक बढ़ा दिया गया है। इस दौरान के कविता के वकील ने कोर्ट में कहा कि उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के लिए कोई आधार नहीं है। सीबीआई ने 11 अप्रैल को के. कविता को तिहाड़ जेल में गिरफ्तार किया था। रिमांड मिलने के बाद कविता को सीबीआई हेडक्वार्टर ले जाया जाएगा, जहां उनसे पूछताछ होगी। इससे पहले सीबीआई ने 6 अप्रैल को तिहाड़ में कविता से पूछताछ की थी। जहां वह प्रवर्तन निदेशालय द्वारा गिरफ्तारी के बाद से ही बंद हैं।

लालू के नाम से डर रही भाजपा : रोहिणी

» बोलीं- पापा से बाद में फरिया लीजिएगा, पहले उनके बच्चों से लड़ लें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य इन दिनों काफी सुर्खियां बटोर रही हैं। वह सारण लोकसभा सीट से राजद के टिकट पर मैदान में हैं। वह जोरों से चुनाव प्रचार में जुटी हैं। इस बीच, उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा है। मीडिया से बात करते हुए रोहिणी ने कहा कि लालू जी के केवल नाम से भाजपा डर रही है, जब वह बाहर चुनाव प्रचार के लिए निकलेंगे तो क्या होगा, इसका अंदाज लगा सकते हैं। रोहिणी ने कहा कि उन्हें (बीजेपी) बोलना केवल मौका चाहिए। अभी पापा की तबीयत खराब है।

उन्होंने आगे कहा कि पहले बेटा-बेटी और बिहार की जनता से लड़ें फिर उनके मेरे पिता से फरिया लीजिएगा। रोहिणी ने यह कहा कि जनता बदलाव के मूड में है, जनता इस बार पागल हो गई है। भाजपा ने लोगों को खूब झांसा दिया है। उन्होंने कहा कि लोग महंगाई और रोजगार को लेकर परेशान हैं। गौरतलब है कि रोहिणी सारण लोकसभा क्षेत्र में लगातार प्रचार कर रही हैं। एक दिन पहले वे सोनपुर के बाघ वाले दिवंगत बच्चा बाबू उर्फ अमरेंद्र नारायण सिंह के आवास पर भी पहुचीं।

युवा, महिला व गरीब और किसान हमारी प्राथमिकता : योगी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भाजपा के संकल्प पत्र मोदी की गारंटी पर प्रेसवार्ता की। सीएम योगी ने कहा कि सात चरणों में होने वाले चुनाव के लिए संकल्प पत्र जारी हुआ है। घोषणा पत्र के स्थान पर भाजपा ने संकल्प पत्र शुरू किया है। 18वीं लोकसभा के चुनाव के लिए संकल्प पत्र जारी हुआ है। सीएम योगी ने कहा कि संविधान दिवस पर भाजपा का संकल्प पत्र जारी हुआ है। भाजपा की युवा, महिला, गरीब और किसान प्राथमिकता हैं।

देश का एंबिशन ही मोदी का मिशन है। मोदी की गारंटी पर इस देश को विश्वास है। मोदी की गारंटी जन विश्वास का प्रतीक है। सीएम योगी ने कहा कि अमृत काल का ये पहला चुनाव हो रहा है जो आत्मनिर्भर भारत के लिए संकल्पित है।

अमेरिका से रची गई सलमान खान पर फायरिंग की साजिश

» पुलिस ने धारा 307 में दर्ज की एफआईआर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर फायरिंग करने के मामले में मुंबई पुलिस ने नया खुलासा किया है। फेसबुक पेज पर गोली चलाने की घटना की जिम्मेदारी लेने वाले फेसबुक का आईपी एड्रेस कनाडा का निकला है। सलमान खान के घर के बाहर गोलीबारी के कुछ घंटों बाद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल बिश्नोई ने एक कथित फेसबुक ऑनलाइन पोस्ट के जरिए घटना की जिम्मेदारी ली और चेतावनी जारी करते हुए कहा कि यह एक 'ट्रेलर था। वहीं जांच एजेंसी से जुड़े सूत्रों ने बताया कि मामले की साजिश अमेरिका में रची गई गई थी।

ये प्लान करीब एक महीने से चल रहा था। दरअसल, दो शूटर्स ने अभिनेता सलमान खान के मुंबई स्थित घर के बाहर रविवार को गोली चलाई थी. इसके बाद दोनों फरार हो गए और पुलिस तलाश कर रही है। इस बीच सामने आया है कि इसमें एक विशाल राहुल उर्फ कालू भी है। बांद्रा पुलिस ने कहा कि मामले में भारतीय दंड संहिता की धारा 307 और शस्त्र अधिनियम के तहत अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है।

'न्यायपालिका को कमजोर करने की कोशिश'

» 21 पूर्व न्यायाधीशों ने सीजेआई को लिखा पत्र

» बोले- राजनीतिक हितों के लिए न्याय प्रक्रिया का कर रहे नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शीर्ष अदालत और उच्च न्यायालयों के 21 सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ को पत्र लिखा है। पत्र में न्यायपालिका को कमजोर करने के प्रयासों पर चिंता जताई गई है। चिट्ठी लिखने वालों में हाईकोर्ट के 17 पूर्व जज और सुप्रीम कोर्ट के चार पूर्व न्यायाधीश शामिल हैं। इसमें कुछ गुटों की ओर से सोचे-समझे दबाव, गलत सूचना और सार्वजनिक अपमान के जरिए न्यायपालिका को कमजोर करने के बढ़ते प्रयासों का जिक्र किया गया है।

पत्र में कहा गया कि ऐसा करने वाले संकीर्ण राजनीतिक हितों और व्यक्तिगत लाभ के लिए न्यायपालिका को कमजोर और न्यायिक प्रणाली पर जनता के विश्वास को कम करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि, सेवानिवृत्त न्यायाधीशों ने उन घटनाओं के बारे में नहीं बताया, जिसके कारण उन्होंने सीजेआई को पत्र लिखा है।

हालांकि, यह पत्र ऐसे वक्त लिखा गया है, जब भ्रष्टाचार के मामले में विपक्षी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी दलों के बीच जुबानी जंग जारी है। इस चिट्ठी के अनुसार जजों ने कहा कि हमने ये भी देखा है कि इस तरह का व्यवहार कुछ खास मामलों में देखने को मिलता है। ऐसे मामले जिनका सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक महत्व होता है। हमारा विचार है कि जो लोग दुष्प्रचार फैलाते हैं, न्यायपालिका के खिलाफ जनभावनाएं भड़काते हैं, ये अनैतिक है और हमारे लोकतंत्र के सिद्धांतों के लिए खतरनाक भी है।

जनता का विश्वास खत्म करने पर उतारू है ऐसे तत्व

इस चिट्ठी के जरिए पूर्व जजों ने कहा कि न्यायपालिका पर अनुचित दबाव पड़ रहा है, जिससे इसे बचाने की जरुरत है। राजनीतिक हितों से प्रेरित तत्व न्याय में जनता का विश्वास खत्म करने पर उतारू हैं। इनके तरीके भ्रामक है, जिससे अदालतों और जजों की सत्यनिष्ठा पर आरोप लग रहे है। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टीस डीवाई चंद्रचूड़ को हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जजों ने चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में न्यायपालिका पर बढ़ते और अनुचित दबाव को लेकर चर्चा की गई है। चिट्ठी में लिखा गया है कि राजनीति और निजी हित के लिए प्रेरित तत्व न्यायिक प्रणाली में जनता का विश्वास खत्म करने में जुटे है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in
RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।